

रग-रग में गंगा

चर्चा में क्यों

- जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय द्वारा दूरदर्शन के यात्रा-वृत्तांत कार्यक्रम 'रग-रग में गंगा' तथा क्विज-शो 'मेरी गंगा' का शुभारंभ किया।
- यात्रा-वृत्तांत श्रृंखला 'रग-रग में गंगा' को दूरदर्शन ने राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के सहयोग से बनाया है।
- क्विज-शो 'मेरी गंगा' को भी दूरदर्शन ने राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के सहयोग से तैयार किया है।

महत्वपूर्ण बिंदु

- इस कार्यक्रम का उद्देश्य गंगा के संरक्षण की आवश्यकता पर बल देना है, इसमें गंगा को स्वच्छ करने के लिए सरकार के प्रयासों की जानकारी भी दी गई है।
- इस धारावाहिक में 21 कड़ियां हैं, जो गोमुख से गंगा सागर तक गंगा नदी की यात्रा दिखाते हैं।
- इस धारावाहिक को बनाने में ड्रोन कैमरा और एचडी फॉरमेट में गो-प्रो कैमरा जैसी उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है।
- इसके तहत देशभर के स्कूली बच्चों को शामिल किया गया है, ताकि उनमें गंगा को स्वच्छ रखने के प्रति दिलचस्पी और जागरुकता पैदा हो तथा वे इस उद्देश्य के प्रति जुड़ाव महसूस करें।
- इस अवसर पर गंगा के प्रवाह को 'शुद्ध', 'अविरल' और 'निर्मल' बनाने के लिए सरकार के प्रयासों को रेखांकित किया गया, तरल और ठोस कचड़ा प्रबंधन परियोजनाओं का उदाहरण दिया गया और गंगा को स्वच्छ रखने के प्रयासों की जानकारी दी गयी।
- इन प्रयासों के जरिये पर्यटन और रोजगार सृजन के विकास पर होने वाला प्रभाव बताया गया।
- शो को क्षेत्रीय भाषाओं में भी रूपांतरित किया जाएगा, ताकि देशभर के लोग उसका लाभ उठा सकें।

गंगा से सम्बंधित अन्य महत्वपूर्ण परियोजना

गंगा ग्राम परियोजना

- इस परियोजना का उद्देश्य गंगा नदी के तट पर स्थित गांव में सम्पूर्ण स्वच्छता लाना है।
- पेयजल व स्वच्छता मंत्रालय स्वच्छ भारत मिशन के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य कर रही है।
- गंगा तट पर बसे गांवों को खुले में शौच से मुक्त घोषित करने के पश्चात मंत्रालय व राज्य सरकारों ने 24 ऐसे गांवों की पहचान की है, जिन्हें गंगा ग्राम के रूप में परिवर्तित किया जाएगा। ये गांव स्वच्छता का मानदंड स्थापित करेंगे।
- इन गांवों को 31 दिसम्बर, 2018 तक गंगा ग्राम में बदलने का लक्ष्य रखा गया है।
- गंगा ग्राम परियोजना ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से गंगा तट पर बसे गांवों के सम्पूर्ण विकास के लिए एकीकृत दृष्टिकोण अपनाना है। गंगा ग्राम परियोजना के अंतर्गत ठोस और द्रव कचरा प्रबंधन, तालाबों और अन्य जलाशयों का पुनरुद्धार, जल संरक्षण परियोजनाएं, जैविक खेती, बागवानी तथा औषधीय पौधों को प्रोत्साहन देना शामिल है।

नमामि गंगे योजना

- गंगा नदी का न सिर्फ सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व है बल्कि देश की 40% आबादी गंगा नदी पर निर्भर है।
- अतः गंगा की सफाई एक आर्थिक एजेंडा भी है , इस सोच को कार्यान्वित करने के लिए सरकार ने गंगा नदी के प्रदूषण को समाप्त करने और नदी को पुनर्जीवित करने के लिए 'नमामि गंगे' नामक एक एकीकृत गंगा संरक्षण मिशन का शुभारंभ किया।
- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नदी की सफाई के लिए बजट को चार गुना करते हुए 2019-2020 तक नदी की सफाई पर 20,000 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की ,और इसमें 100% केंद्रीय हिस्सेदारी के साथ एक केंद्रीय योजना का रूप दिया गया है।
- गंगा संरक्षण की चुनौती बहु-क्षेत्रीय और बहु-आयामी है और इसमें कई हितधारकों की भी भूमिका है
- विभिन्न मंत्रालयों एवं केंद्र-राज्य के बीच समन्वय को बेहतर करने एवं कार्य योजना की तैयारी में सभी की भागीदारी बढ़ाने के साथ केंद्र एवं राज्य स्तर पर निगरानी तंत्र को बेहतर करने के प्रयास किए गए हैं।
- कार्यक्रम के कार्यान्वयन को तीन भागों में बांटा गया है-

(i) शुरुआती स्तर की गतिविधियों (तत्काल प्रभाव दिखने के लिए),

(ii) मध्यम अवधि की गतिविधियों (समय सीमा के 5 साल के भीतर लागू किया जाना है)

(iii) लंबी अवधि की गतिविधियों (10 साल के भीतर लागू किया जाना है)।

- इस कार्यक्रम के तहत इन गतिविधियों के अलावा जैव विविधता संरक्षण, वनीकरण (वन लगाना), जलवाही स्तर की वृद्धि, कटाव कम करने और नदी के पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिति में सुधार और पानी की गुणवत्ता की निगरानी के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं।